08 अध्याय

सूचकांक

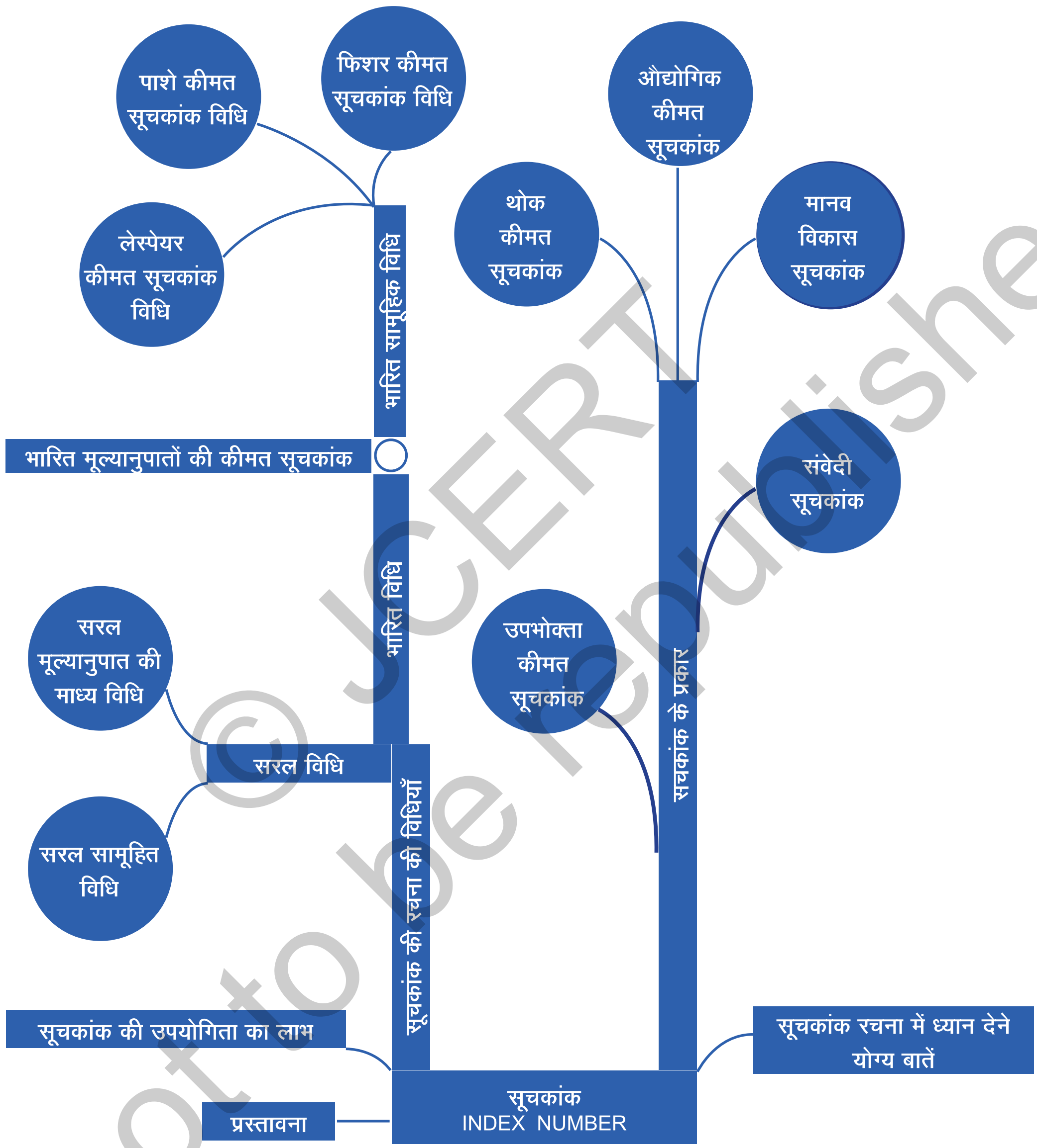

चित्र संख्या 8.1

© JCERT not to be republished

8.1.1

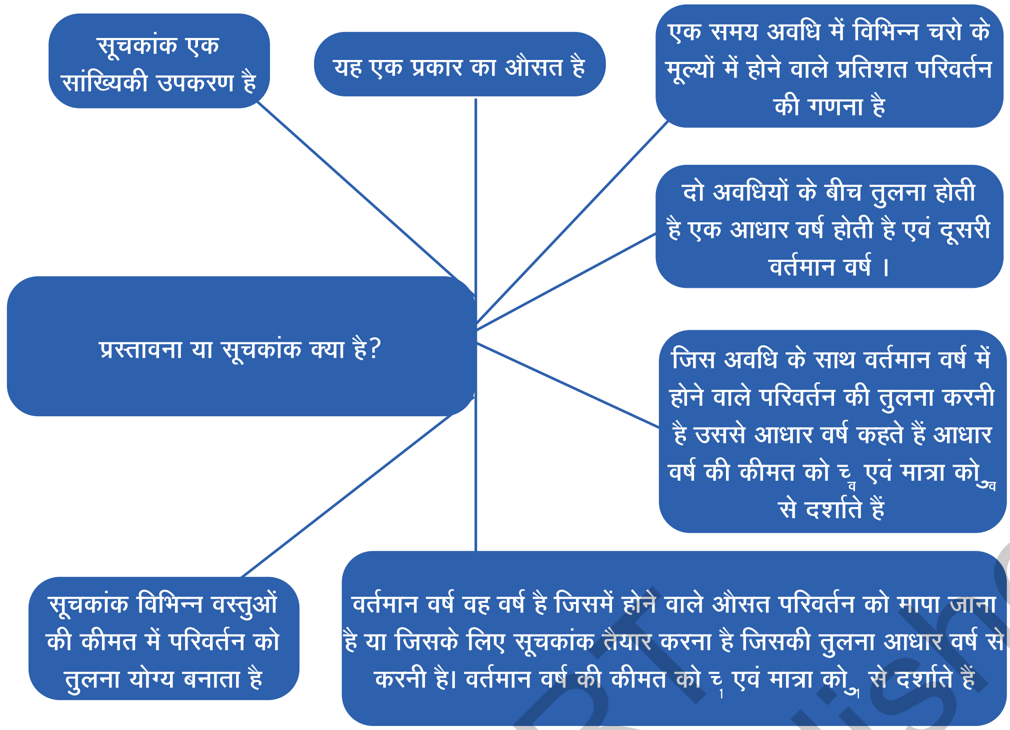

चित्र संख्या 8.2

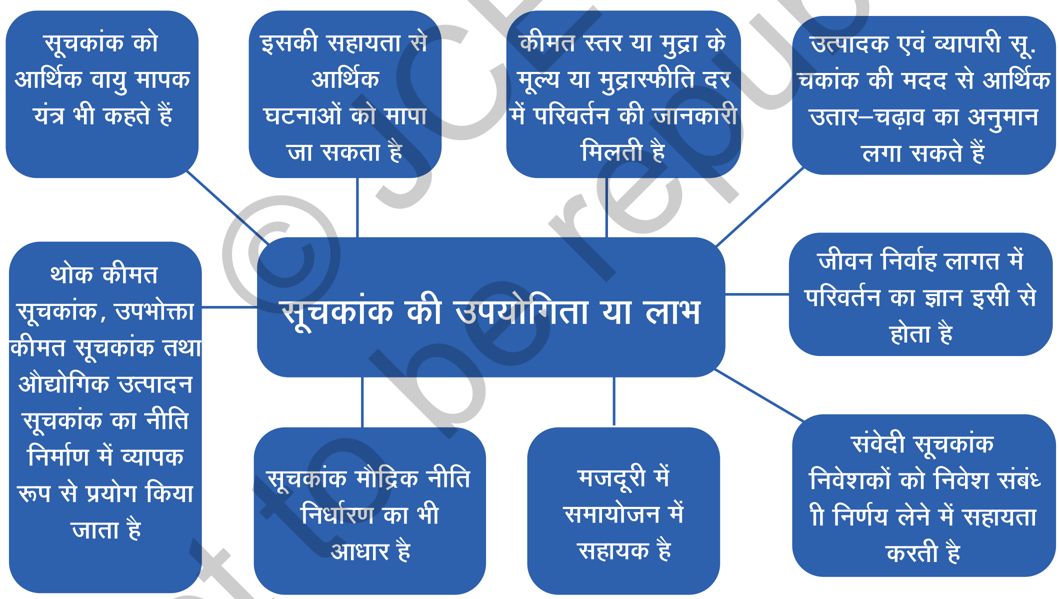

चित्र संख्या 8.3

8.3.0

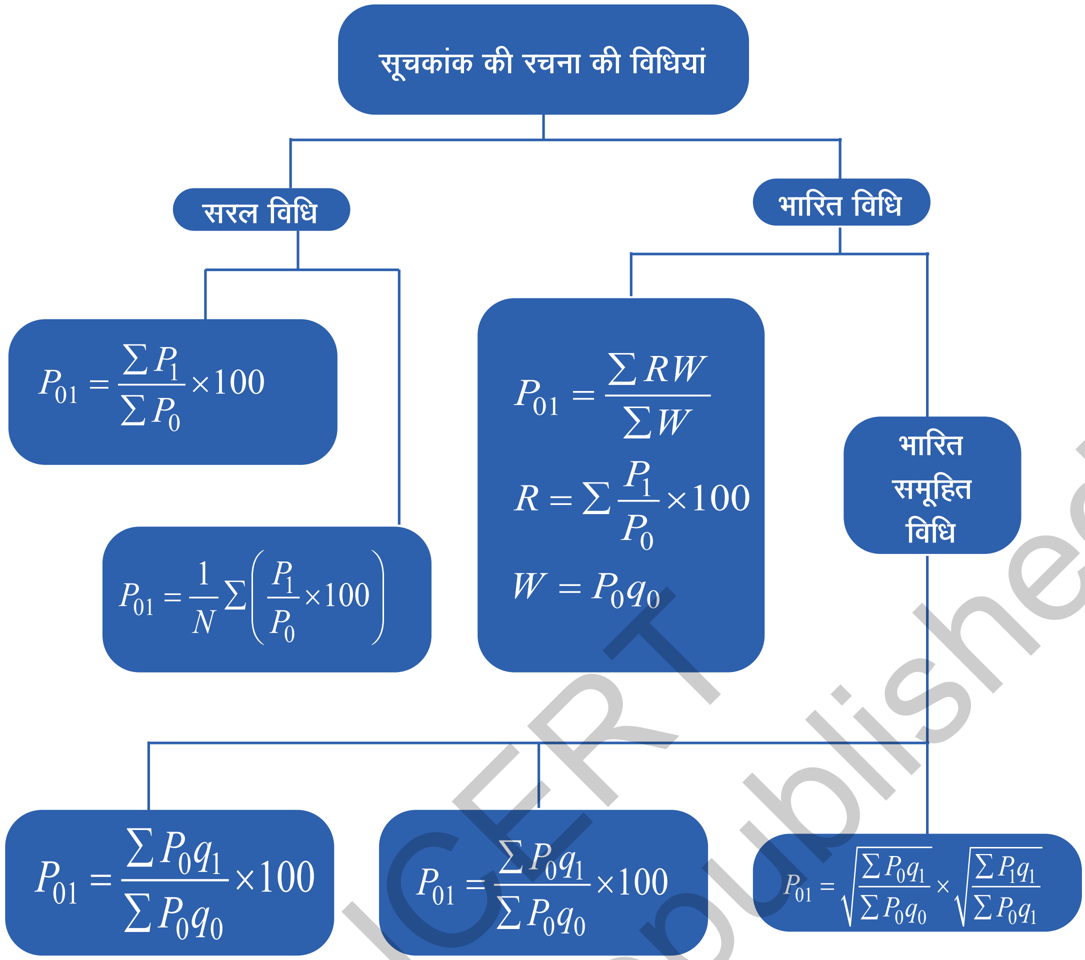

चित्र संख्या 8.4

8.3. सूचकांक की रचना विधियां

8.3.1 सरल विधि

8.3.1 सरल सामूहिक विधि – इस विधि में सूचकांक ज्ञात करने के लिए वर्तमान वर्ष के विभिन्न वस्तुओं के मूल्यों के योग को उन्हीं वस्तुओं के आधार वर्ष के मूल्यों के योग से भाग देकर 100 से गुणा किया जाता है।

$$P_{01} = \frac{\sum P_1}{\sum P_0} \times 100$$

जहां,

P_1 = वर्तमान वर्ष के मूल्य

P_0 = आधार वर्ष के मूल्य

Σ = योग

उदाहरण–1

© JCERT not to be republished

वस्तु	आधार अवधि की कीमत (P_0)	वर्तमान अवधि की कीमत (P_1)
A	2	4
B	5	6
C	4	5
D	2	3
योग	13	18

P_{01} = 18/13 x 100

P_{01} = 138.5

अतः कीमतों में 38.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है ऐसा कहा जा सकता है। इस प्रकार के सूचकांकों का उपयोग सीमित होता है। क्योंकि विभिन्न वस्तुओं की माप की इकाइयां एक समान नहीं होती है। सभी मदों को समान भार का माना जाना सही नहीं है।

8.3.1 **सरल मूल्यानुपात की माध्य विधि** – इस विधि में सर्वप्रथम सभी वस्तुओं का मूल्यानुपात निकाला जाता है। मूल्यानुपात के लिए किसी वस्तु की वर्तमान वर्ष की कीमत को उसके आधार वर्ष की कीमत से भाग देकर 100 से गुणा करके प्राप्त करते हैं।

R= P1 /P0 x 100

सरल मूल्य अनुपात की माध्य विधि सूचकांक=

$$P_{01} = \frac{1}{n}\sum\left(\frac{P_1}{P_0}\times 100\right)$$

or

$$P_{01} = \frac{\sum R}{n}$$

जहां, R =मूल्यानुपात

P_1= वर्तमान वर्ष के मूल्य

P_0 = आधार वर्ष के मूल्य

n = वस्तुओं की संख्या

उदाहरण – 2

वस्तु	आधार वर्ष की कीमत P_0	वर्तमान वर्ष की कीमत P_1	मूल्यानुपात R= P_1/P_2 x 100
A	2	4	200
B	5	6	120
C	4	5	125
D	2	3	150
			योग Σ

© JCERT not to be republished

$P_{01} = 595/4$

$P_{01} = 148.8$

इस प्रकार कहा जा सकता है कीमतों में 48.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

8.3.2 भारित विधि

भारित मूल्य अनुपातों का कीमत सूचकांक – इस विधि में वस्तुओं के मूल्यानुपातों को उनके भार से गुणाकर के भार के योगफल से भाग देते हैं। वस्तुओं को भार उनकी मात्रा के आधार पर दिया जाता है।

$$P_{01} = \frac{\sum RW}{\sum W}$$

$$R = \sum \frac{P_1}{P_0} \times 100$$

$$W = P_0 q_0$$

जहां,

P_1 = वर्तमान वर्ष के मूल्य

P_0 = आधार वर्ष के मूल्य

q_0 = आधार वर्ष में वस्तुओं की मात्रा

R = मूल्यानुपात

W = भार

उदाहरण – 3

वस्तु	भार % में W	वर्तमान वर्ष की कीमत P_0	वर्तमान वर्ष की कीमत P_1	मूल्यानुपात $R=P_1/P_0 \times 100$	RW
A	40	2	4	200	8000
B	50	5	6	120	3500
C	20	4	5	125	2500
D	10	2	3	150	1500
योग (Σ) 100					15600

भारित कीमत सूचकांक के अनुसार कीमतों में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

8.3.3 भारित सामूहित विधि–

- इसके अंतर्गत मदो के सापेक्षिक महत्व को ध्यान में रखा जाता है।
- वस्तु की मात्रा के आधार पर भार दिया जाता है।

© JCERT not to be republished

- भार वर्तमान वर्ष की मात्रा या आधार वर्ष की मात्रा या दोनों वर्षों की मात्रा के आधार पर हो सकता है।

8.3.4 लेस्पेयर कीमत सूचकांक– जब आधार वर्ष की मात्रा को भार के रूप में प्रयोग किया जाता है तो इससे लेस्पेयर पर कीमत सूचकांक कहते हैं।

$$P_{01} = \frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times 100$$

8.3.4 पाशे कीमत सूचकांक – जब वर्तमान वर्ष की मात्रा को भार के रूप में प्रयोग किया जाता है तो इससे पाशे कीमत सूचकांक कहते हैं।

$$P_{01} = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1} \times 100$$

8.3.6 फिशर कीमत सूचकांक – जब दोनों वर्षों की मात्रा को भार के रूप में प्रयोग किया जाता है तो इसे फिशर कीमत सूचकांक कहते हैं।

$$P_{01} = \sqrt{\frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0}} \times \sqrt{\frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1}} \times 100$$

जहां,

P_1 = वर्तमान वर्ष के मूल्य

P_2 = आधार वर्ष के मूल्य

q_0 = आधार वर्ष में वस्तुओं की मात्रा

q_1 = वर्तमान वर्ष में वस्तुओं की मात्रा

Σ = योग

उदाहरण – 4

वस्तुएँ	आधार वर्ष कीमत P_0	आधार वर्ष मात्रा q_0	वर्तमान वर्ष कीमत P_1	वर्तमान वर्ष मात्रा q_1	P_0q_0	P_1q_0	P_0q_1	P_1q_1
A	2	10	4	5	20	40	10	20
B	5	12	6	10	60	72	50	60
C	4	20	5	15	80	100	60	75
D	2	15	3	10	30	45	20	30
				योग (Σ)	190	257	140	185

लेस्पेयर कीमत सूचकांक

© JCERT not to be republished

$$P_{01} = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0} \times 100$$

$$P_{01} = \frac{257}{190} \times 100$$

$$P_{01} = 135.3$$

(a) **पाशे कीमत सूचकांक**

$$P_{01} = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_0} \times 100$$

$$P_{01} = \frac{185}{140} \times 100$$

$$P_{01} = 132.1$$

(b) **फिशर कीमत सूचकांक**

$$P_{01} = \sqrt{\frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1}} \times 100$$

$$= \sqrt{\frac{257}{190} \times \frac{185}{140}} \times 100$$

$$= \sqrt{135.3 \times 132.1} \times 100$$

$$= \sqrt{17873.13} \times 100$$

$$P_{01} = 133.7$$

फिशर कीमत सूचकांक को आदर्श कीमत सूचकांक भी कहा जाता है क्योंकि –

- इस विधि में आधार वर्ष और वर्तमान वर्ष दोनों के मात्रा और कीमत को शामिल किया जाता है।
- गुणोत्तर माध्य पर आधारित है जो सबसे अच्छा माना जाता है।

8.4.1

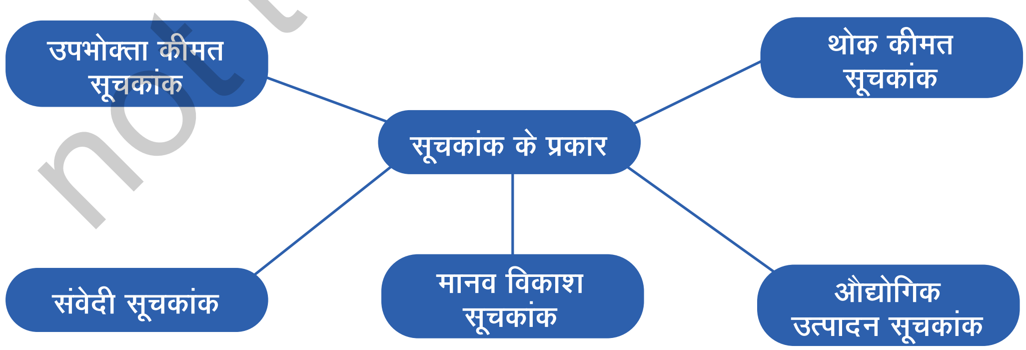

चित्र संख्या 8.5

© JCERT not to be republished

8.4.1. उपभोक्ता कीमत सूचकांक

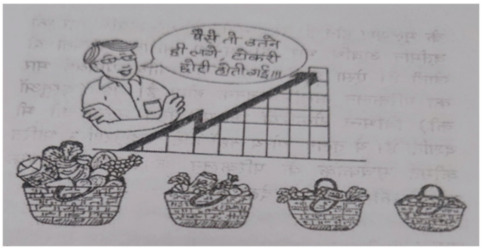

- उपभोक्ता कीमत सूचकांक (Consumer Price Index & CPI) को जीवन निर्वाह सूचकांक भी कहते हैं।
- यह खुदरा कीमतों में औसत परिवर्तन को मापता है।
- यह जीवन निर्वाह की लागतों में परिवर्तन को मापता है तथा वेतन एवं मजदूरी में समायोजन की आवश्यकता को व्यक्त करता है।
- भारत में निम्न उपभोक्ता कीमत सूचकांक तैयार किए जाते हैं –
  a. औद्योगिक श्रमिक के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक
  b. कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय कीमत सूचकांक
  c. ग्रामीण श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता कीमत सूचकांक
  d. अखिल भारतीय ग्रामीण उपभोक्ता सूचकांक
  e. अखिल भारतीय शहरी उपभोक्ता कीमत सूचकांक
  f. अखिल भारतीय संयुक्त उपभोक्ता कीमत सूचकांक
- भारतीय रिजर्व बैंक अखिल भारतीय संयुक्त उपभोक्ता कीमत सूचकांक को कीमतों में परिवर्तन का मुख्य मापक के रूप में प्रयोग करता है।

उपभोक्ता कीमत सूचकांक (CPI)

$CPI = \Sigma WR / \Sigma W$

जहाँ R = मूल्यानुपात

$= (P_1/P_0 \times 100)$

W = भार

उदाहरण – 5

मद	भार में % में	आधार वर्ष की कीमत P_0	वर्तमान वर्ष की कीमत P_1	$R = P_1/P_0 \times 100$	WR
खाद्य (आहार)	35	150	145	96.69	3883.45
ईंधन	10	25	23	92.00	920.00
कपड़े	20	75	65	86.67	1733.40
किराया	15	30	30	100.00	1500.00

© JCERT not to be republished

सम्मिश्रित	20	40	45	112.50	2250.00
योग		100			9786.85

CPI = 9786.85/100

CPI = 97.86

अतः जीवन निर्वाह की कीमत में 2.14 की कमी आई है।

8.4.2 थोक कीमत सूचकांक

- यह सामान्य कीमत स्तर में परिवर्तन को मापता है ।
- थोक स्तर पर प्रचलित मूल्यों का प्रयोग होता है।
- वस्तुओं की कीमत शामिल होती है।
- समग्र वस्तु मुद्रास्फीति दर को सामान्यतः हेड लाइन मुद्रास्फीति कहा जाता है।
- खाद्य वस्तुओं का भार अधिक होता है यह प्राथमिक एवं विनिर्मित खाद्य उत्पाद होते हैं।
- कुछ अर्थशास्त्री विनिर्मित माल (खाद्य एवं इंधन को छोड़कर) पर जोर देते हैं इसके लिए वह कोर मुद्रास्फीति का अध्ययन करते हैं।

8.4.3. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक –

- मात्राओं में परिवर्तन को मापता है।
- आधार वर्ष में परिवर्तन होता है क्योंकि कुछ वस्तुओं के उत्पादन बंद एवं नई वस्तु का उत्पादन शुरू होता रहता है।
- यह मात्रा मुल्यानुपातों के भारित अंकगणितीय माध्य होते हैं।
- यह सूचकांक औद्योगिक क्षेत्रको एवं उपक्षेत्रको के लिए उपलब्ध होता है।
- प्रमुख शाखाएं– खनन विनिर्माण एवं विद्युत
- कोर उद्योग – कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस रिफाइनरी उत्पाद , खाद, इस्पात, सीमेंट तथा विद्युत पर भी कभी–कभी जोर दिया जाता है। कोर का भार 40.27 है।

8.4.4. मानव विकास सूचकांक –

- इसका उपयोग देश के विकास के स्तर का पता लगाने के लिए किया जाता है।

8.4.5. संवेदी सूचकांक –

© JCERT not to be republished

- संसेक्स मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का संवेदी सूचकांक का संक्षिप्त रूप है।
- भारतीय स्टॉक मार्केट का यह मुख्य सूचकांक है।
- इसके अंतर्गत 30 स्टॉक है।
- यह अर्थव्यवस्था के 30 क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती है।
- संवेदी सूचकांक का बढ़ना बाजार के ठीक होने का संकेत है यह बाजार में विश्वास को बढ़ाता है।

8.4.5. सूचकांक निर्माण या रचना में ध्यान देने योग्य बातें या सावधानी

चत्र संख्या 8.6

© JCERT not to be republished

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तरी

1. आधार वर्ष में सूचकांक का मूल्य क्या होता है?
   (a) 1 (b) 0
   (c) 100 (d) इनमें से कोई नहीं

2. सूचकांक के सूत्र में P_0 बताता है
   (a) आधार वर्ष की कीमत (b) चालू वर्ष की कीमत
   (c) आधार वर्ष तथा चालू वर्ष की कीमत (d) उपर्युक्त में से सभी

3. सूचकांक के सूत्र में q_0 बताता है
   (a) आधार वर्ष की मात्रा (b) चालू वर्ष की मात्रा
   (c) आधार वर्ष तथा चालू वर्ष की मात्रा (d) उपर्युक्त में से सभी

4. सूचकांक है
   (a) तुलना का आधार (b) प्रतिशतों का औसत
   (c) संख्या द्वारा प्रदर्शित मान (d) उपर्युक्त सभी

5. सूचकांक को प्रदर्शित करते हैं
   (a) B_{01} (b) C_{01}
   (c) P_{10} (d) P_{01}

6. आधार वर्ष चुनने की समस्या किसकी है ?
   (a) सूचकांक (b) माध्य
   (c) माध्य विचलन (d प्रमाप विचलन

7. सूचकांक की रचना करते समय आधार वर्ष का चयन किसआधार पर किया जाता है?
   (a) वर्ष में उत्पादन वृद्धि दर अधिक हो (b) वर्ष में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि अधिक हो
   (c) वर्ष सामान्य वर्ष हो (d वर्ष में राजनीतिक अस्थिरता रही हो

8. मदों के सापेक्षिक महत्व को बताने वाले सूचकांक को क्या कहते हैं
   (a) भारित सूचकांक (b) सरल समूहित सूचकांक
   (c) सरल मूल्यानुपातों का औसत (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. सामान्यतरू भारित सूचकांकों में भार का सम्बन्ध
   (a) आधार वर्ष से होता है (b) वर्तमान वर्ष होता है
   (c) आधार एवं वर्तमान वर्ष दोनों से होता है (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

© JCERT not to be republished

10. ऐसी वस्तु जिसका सूचकांक में कम भार होता है, उसकी कीमत में परिवर्तन से सूचकांक में कैसा परिवर्तन होगा ?

(a) कम
(b) अनिश्चित
(c) अधिक
(d) इनमें से कोई नहीं

11. सैद्धांतिक रूप से सूचकांक के निर्माण के लिए सबसे अच्छा माध्यम है

(a) गुणोत्तर माध्य
(b) हरात्मक माध्य
(c) अंकगणितीय माध्य
(d) उपर्युक्त सभी

12. सूचकांक के प्रकार है

(a) उपभोक्ता कीमत सूचकांक
(b) थोक कीमत सूचकांक
(c) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक
(d उपर्युक्त में से सभी

13. उपभोक्ता कीमत सूचकांक किस कीमत में परिवर्तन को मापता है?

(a) खुदरा कीमत
(b) उत्पादकों की कीमत
(c) थोक कीमत
(d) इनमें से कोई नहीं

14. औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक में किस मद के लिए सर्वाधिक भार 0होता है?

(a) खाद्य–पदार्थ
(b) आवास
(c) कपड़े
(d) इनमें से कोई नहीं

15. सामान्यतः मुद्रा–स्फीति के गणना में किसका प्रयोग होता है?

(a) थोक कीमत सूचकांक
(b) उपभोक्ता कीमत सूचकांक
(c) उत्पादक कीमत सूचकांक
(d उपर्युक्त में से कोई नहीं

16. लेस्पेयर ने किसे भार के रूप में प्रयोग किया है?

(a) वर्तमान वर्ष की मात्रा
(b) आधार वर्ष की मात्रा
(c) वर्तमान वर्ष की कीमत
(d) आधार वर्ष की कीमत

17. पाशे ने किसे भार के रूप में प्रयोग किया है?

(a) वर्तमान वर्ष की मात्रा
(b) आधार वर्ष की मात्रा
(c) वर्तमान वर्ष की कीमत
(d आधार वर्ष की कीमत

18. किसके सूत्र को सूचकांक का आदर्श सूत्र माना जाता है ?

(a) पाशे
(b) लेस्पेयर
(c) फिशर
(d) उपरोक्त सभी

© JCERT not to be republished

19. उपभोक्ता कीमत सूचकांक निर्माण करने का सूत्र है

(a) $P_{01} = \frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times 100$

(b) $P_{01} = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1} \times 100$

(c) $P_{01} = \sqrt{\frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1}} \times 100$

(d) $CPI = \frac{\sum WR}{\sum W}$

20. पाशे का सूत्र है

(a) $P_{01} = \frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times 100$

(b) $P_{01} = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1} \times 100$

(c) $P_{01} = \sqrt{\frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1}} \times 100$

(d) $CPI = \frac{\sum WR}{\sum W}$

21. फिशर सूचकांक का सूत्र है

(a) $P_{01} = \frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times 100$

(b) $P_{01} = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1} \times 100$

(c) $P_{01} = \sqrt{\frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1}} \times 100$

(d) $CPI = \frac{\sum WR}{\sum W}$

22. सूचकांक .... वायुमापक यन्त्र होते हैं

(a) राजनैतिक

(b) सामाजिक

(c) आर्थिक

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

23. लेस्पेयर का सूत्र है

(a) $P_{01} = \frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times 100$

(b) $P_{01} = \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1} \times 100$

(c) $P_{01} = \sqrt{\frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times \frac{\sum P_1 q_1}{\sum P_0 q_1}} \times 100$

(d) $CPI = \frac{\sum WR}{\sum W}$

24. उपभोक्ता कीमत सूचकांक को किस नाम से भी जाना जाता है ?

(a) जीवन निर्वाह लागत सूचकांक

(b) थोक कीमत सूचकांक

(c) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

(d) इनमें से कोई नहीं

25. भारित सूचकांक के आकलन में q_0 प्रदर्शित करता है---------------वर्ष की मात्रा

(a) दस

(b) वर्तमान

(c) आधार

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

© JCERT not to be republished

26. सरकार को मजदूरी नीति बनाने में सहयोग करता है

(a) आय सूचकांक

(b) थोक कीमत सूचकांक

(c) औद्योगिक सूचकांक

(d) जीवन निर्वाह सूचकांक

1 - b, 2- a, 3 - a, 4 - d , 5 - d, 6 - a, 7 - c, 8 - a, 9 - a, 10 - a, 11- a, 12 - d, 13 - a, 14 - a, 15- b, 16 - b, 17 - a, 18 - c, 19 - d, 20 - b, 21 - c, 22 - c, 24 - a, 25 - c, 26 -d-

एनसीईआरटी प्रश्नों के हल

1. मदों के सापेक्षिक महत्व को बताने वाले सूचकांक को

(a) भारित सूचकांक कहते हैं

(b) सरल समूहित सूचकांक कहते हैं

(c) सरल मूल्यानुपातों का औसत कहते हैं

2. अधिकांश भारित सूचकांकों में भार का संबंध,

(a) आधार वर्ष से होता है

(b) वर्तमान वर्ष से होता है

(c) आधार एवं वर्तमान वर्ष दोनों से होता है

3. ऐसी वस्तु जिसका सूचकांक में कम भार है, उसकी कीमत मे परिवर्तन से सूचकांक में कैसा परिवर्तन होगा

(a) कम

(b) अधिक

(c) अनिश्चित

4. कोई उपभोक्ता कीमत सूचकांक किस परिवर्तन को मापता है

(a) खुदरा कीमत

(b) थोक कीमत

(c) उत्पादकों की कीमत

5. औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक में किस मद के लिए उच्चतम भार होता है

(a) खाद्य पदार्थ

(b) आवास

(c) कपड़े

© JCERT not to be republished

6. सामान्यतः मुद्रा–स्फीति के परिकलन में किसका प्रयोग होता है

(a) थोक कीमत सूचकांक

(b) उपभोक्ता कीमत सूचकांक

(b) उत्पादक कीमत सूचकांक

उत्तर : 1 - a, 2- a, 3 - a, 4 - a , 5 - a, 6 - b

प्रश्न 7. हमें सूचकांक की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर – सूचकांक की आवश्यकता –

सूचकांक की आवश्यकता अथवा महत्त्व को निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट किया जा सकता है।

(1) उपभोक्ता कीमत सूचकांक का महत्त्व उपभोक्ता कीमत सूचकांक अथवा निर्वाह सूचकांक, मजदूरी समझौता, आय नीति, कीमत नीति, किराया नियन्त्रण, कराधान तथा सामान्य आर्थिक नीतियों के निर्माण में सहायक होते हैं। उपभोक्ता कीमत सूचकांकों की सहायता से समाज के विभिन्न वर्गों के रहन–सहन के व्यय में होने वाले परिवर्तनों का पता चलता है।

(2) थोक कीमत सूचकांक का प्रयोग : थोक कीमत सूचकांक (PI) का प्रयोग समुच्चयों की कीमतों में परिवर्तन जैसे कि राष्ट्रीय आय, पूँजी निर्माण आदि के परिवर्तनों के प्रभाव को समाप्त करने के लिए किया जाता है। थोक कीमत सूचकांक (PI) का प्रयोग सामान्य रूप से मुद्रा स्फीति दर को मापने के लिए किया जाता है।

(3) मुद्रा की क्रय शक्ति का मापन : मुद्रा की क्रय शक्ति में निरन्तर परिवर्तन होता रहता है अर्थात् मुद्रा के मूल्य में कमी–वृद्धि होती रहती है। मुद्रा का वास्तविक मूल्य क्या है? इसकी जानकारी हमें सूचकांकों के द्वारा ही प्राप्त होती है।

(4) वास्तविक मजदूरी का मापन : मौद्रिक मजदूरी में समय–समय में परिवर्तन होता रहता है। साथ ही कीमतों में भी परिवर्तन होता है। कीमतों में परिवर्तन क कारण वास्तविक मजदूरी में क्या परिवर्तन होगा? इसका मापन सूचकांक के माध्यम से ही किया जा सकता है।

(5) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का महत्त्व : औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अनेक उद्योगों के औद्योगिक उत्पादन के स्तर में परिवर्तन को मापता है। इसके अन्तर्गत सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रक के उत्पादन शामिल होते हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक हमें औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन में परिवर्तन के बारे में परिमाणात्मक अंक प्रदान करता है।

(6) मानव विकास सूचकांक का महत्व : इस सूचकांक का उपयोग एक देश के विकास के अध्ययन के लिए किया जाता है।

(7) संवेदी सूचकांक का महत्त्व : संवेदी सूचकांक स्टॉक मार्केट में निवेशकों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक का काम करता है। यदि सूचकांक चढ़ता है तो निवेशक भावी अर्थव्यवस्था के निष्पादन की दिशा में आशावादी होते हैं।

© JCERT not to be republished

(8) तुलनात्मक अध्ययन में सहायक सूचकांकों द्वारा तथ्यों में होने वाले सापेक्ष परिवर्तनों का माप किया जाता है, निरपेक्ष परिवर्तनों का नहीं। इसके कारण समय व स्थान के आधार पर घटनाओं की तुलना आसानी से की जा सकती है।

प्रश्न 8. आधार अवधि के वांछित गुण क्या होते हैं?

उत्तर : आधार अवधि में निम्न वांछित गुण होने चाहिए।

1. आधार अवधि का चुनाव करते समय जहाँ तक संभव हो सके आधार अवधि सामान्य वर्ष होनी चाहिए।
2. उस वर्ष का चुनाव नहीं करना चाहिए जिससे कोई प्राकृतिक आपदा, युद्ध, आर्थिक संकट आदि हो।
3. आधार अवधि के लिए चरम मानों को नहीं चुना जाना चाहिए।
4. आधार अवधि अतीत से भी अधिक दूर नहीं होनी चाहिए।
5. किसी भी सूचकांक के आधार वर्ष को नियमित रूप से अध्ययन किया जाना चाहिए तथा आवश्यक होने पर आधार वर्ष को परिवर्तित किया जाना चाहिए।

प्रश्न 9. भिन्न उपभोक्ताओं के लिए भिन्न उपभोक्ता कीमत सूचकांकों की अनिवार्यता क्यों होती

उत्तर : भिन्न उपभोक्ताओं के लिए भिन्न उपभोक्ता कीमत सूचकांकों की आवश्यकता होती है क्योंकि भिन्न भिन्न उपभोक्ता प्रायः भिन्न–भिन्न वस्तुओं का उपयोग करते हैं अर्थात् विभिन्न उपभोक्ता समूहों के मद समान महत्त्व वाले नहीं होते हैं। उदाहरण के लिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि संभवतः एक निर्धन कृषि मजदूर को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित नहीं करेगी जबकि एक बस के मालिक को यह प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करेगी। अतः भिन्न–भिन्न उपभोक्ता कीमत सूचकांकों का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न 10. औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक क्या मापता है?

उत्तर : औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक को सामान्य मुद्रा स्फीति का उपयुक्त संकेतक माना जाता है, जो जन साधारण के जीवन निर्वाह पर कीमत वृद्धि के सबसे उपयुक्त प्रभाव को दर्शाता है।

प्रश्न 11. कीमत सूचकांक तथा मात्रा सूचकांक में क्या अन्तर है?

उत्तर : कीमत सूचकांक कुछ वस्तुओं की कीमतों का माप करता है जिससे उनकी तुलना संभव हो पाती है जबकि मात्रा सूचकांक एक निश्चित समय में विभिन्न वस्तुओं की भौतिक मात्राओं में होने वाले परिवर्तनों को ज्ञात करने के लिए बनाए जाते हैं, इनकी रचना मात्राओं में वृद्धि या कमी को प्रदर्शित करने के लिए की जाती है।

प्रश्न 12. क्या किसी भी तरह का कीमत परिवर्तन एक कीमत सूचकांक में प्रतिबिम्बित होता है?

उत्तर : किसी भी तरह का कीमत परिवर्तन एक कीमत सूचकांक में प्रतिबिम्बित नहीं होता है। जैसे सरल समूहित कीमत सूचकांक वर्तमान अवधि तथा आधार अवधि में वस्तुओं की कीमत को इंगित करता है। इस प्रकार के सूचकांकों का प्रयोग सीमित होता है क्योंकि विभिन्न वस्तुओं के कीमतों के

© JCERT not to be republished

माप की इकाइयाँ समान नहीं होती हैं। यह अभारित सूचकांक है क्योंकि इसमें मदों का सापेक्षिक महत्त्व उपयुक्त रूप से प्रतिबिम्बित नहीं होता है। अतः किसी भी तरह का कीमत परिवर्तन एक कीमत सूचकांक में प्रतिबिम्बित नहीं होता है।

प्रश्न 13. क्या शहरी गैर शारीरिक कर्मचारियों – के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक भारत के राष्ट्रपति के निर्वाह लागत में परिवर्तन का प्रतिनिधित्व कर सकता है?

उत्तर : भारत में शहरी गैर शारीरिक कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक भारत के राष्ट्रपति के निर्वाह लागत में परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता क्योंकि राष्ट्रपति एक विशिष्ट व्यक्ति है।

प्रश्न 14. निम्नलिखित सारणी को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं अपनी टिप्पणी कीजिए

उद्योग	भार % में	1996 – 1997	2003 – 2004
सामान्य	100	130.8	189.0
सूचकांक	10.73	118.2	146.9
खनन एवं	79.58	133.6	196.6
उत्खनन	10.69	122.0	172.6

उत्तर : उपर्युक्त तालिका में विभिन्न उद्योगों का वर्ष 1996–97 तथा 2003–04 का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक दर्शाया गया है। उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि विनिर्माण क्षेत्र की संवृद्धि दर सबसे अधिक है। वर्ष 1996–97 में इस क्षेत्र का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 133.6 तथा वर्ष 2003–04 में इस क्षेत्र का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 196.6 है।

इसी प्रकार खनन एवं उत्खनन क्षेत्र की संवृद्धि दर सबसे कम है। वर्ष 1996–97 में इस क्षेत्र का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 118.2 है, वर्ष 2003–04 में इस क्षेत्र का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 146.9 है। उपर्युक्त तालिका में विभिन्न उद्योगों का भिन्नभिन्न भार दिया गया है जिसमें विनिर्माण उद्योग का भार सबसे अधिक एवं खनन एवं उत्खनन उद्योग का भार सबसे कम है।

प्रश्न 15. अपने परिवार में उपभोग की जाने वाली महत्त्वपूर्ण मदों की सूची बनाने का प्रयास कीजिए।

उत्तर : हमारे परिवार में उपभोग की जाने वाली महत्त्वपूर्ण मदों की सूची निम्न प्रकार है

(1) खाद्य पदार्थ (2) मकान (3) वस्त्र (4) बिजली
(5) रसोई का सामान (6) पैट्रोल (7) मनोरंजन (8) शिक्षा
(9) स्वास्थ्य (10) विविध व्यय।

© JCERT not to be republished